राष्ट्रीय षिक्षा नीति 2020 के आलोक में निर्मित पाठ्यक्रम **(NEP, FYUGP 2022)**

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

विनोबा भावे विष्वविद्यालय, हजारीबाग–825301 (झारखण्ड)

स्नातक संस्कृत प्रथम/द्वितीय/तृतीय समसत्र

संस्कृत व्याकरण एवं नीति कथा

Credit – 3 पूर्णांक –100

SAN-IRC अवधि – 3घंटे

पाठ्यक्रम

1. षब्दरूप – 10 घण्टे
   पाठ्य षब्दरूप – देव, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, मरुत्, आत्मन्, सर्व, तद्, एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद्।

2. धातुरूप – 10 घण्टे
   लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् एवं लृट् लकार में
   पाठ्य धातुरूप – पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, हृ, दिव्, रुध्, क्री, चुर् तथा सेव्।

3. हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद 05 घण्टे
4. संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद 05 घण्टे
5. पंचतन्त्रम् (अपरीक्षितकारकम्) 15 घण्टे

<u>प्रष्न चयन संबंधी निर्देष</u> :–

<u>ग्रुप ए</u>

- ग्रुप ए में तीन प्रष्न होंगें और तीनों अनिवार्य होंगें।
- प्रथम प्रष्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित दस अतिलघूत्तरीय प्रष्न होंगें। **1x10 = 10**
- द्वितीय प्रष्न में एक अपठित संस्कृत गद्यांष प्रष्टव्य होगा जिसमें से पाँच लघूत्तरीय प्रष्न पूछे जाएँगें । प्रष्न एवं उत्तर संस्कृत में ही होंगें। **1x5 = 5**
- तृतीय प्रष्न में हिन्दी से संस्कृत में अनुवाद के लिए एक गद्यांष प्रष्टव्य होगां। **5x1 =5**

<u>ग्रुप बी</u>

- ग्रुप बी में कुल छः प्रष्न पूछे जाएँगे जिनमें चार प्रष्नों के उत्तर देय होंगें।
- चतुर्थ प्रष्न में पाठ्य षब्दरूपों में से किन्हीं चार षब्द के दो विभक्तियों (कारकों) के तीनों वचनों के रूपों को लिखना अपेक्षित होगा, छः षब्दरूप पूछे जाएँगे। **5x4 = 20**
- पंचम प्रष्न में पाठ्य धातुओं में से किसी एक लकार में चार धातुओं के सभी रूपों को लिखना अपेक्षित होगा, छः धातुरूप पूछे जाएँगे। **5x4 = 20**
- षष्ठ प्रष्न में पंचतन्त्र के पठितांष से किन्हींचार ष्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा, कुल छः ष्लोक पूछे जाएँगे। **5x4 =20**
- सप्तम से नवम प्रष्न में अपरीक्षितकारक से किसी कहानी का सारांष/समीक्षा लेखन अथवा नीतिकथा से सम्बन्धित तीन आलोचनात्मक प्रष्न प्रष्टव्य होंगें। **20+20+20 =60**

अनुषंसित पुस्तकें

1. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें ? – (उमाकान्त मिश्र षास्त्री)
2. रचनानुवाद कौमुदी – (कपिलदेव द्विवेदी)
3. संस्कृत सहचर – (आचार्य राधामोहन उपाध्याय)
4. पंचतन्त्रम् (अपरीक्षितकारकम्) – (डॉ0 श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी)

राष्ट्रीय षिक्षा नीति 2020 के आलोक में निर्मित पाठ्यक्रम **(NEP, FYUGP 2022)**

सत्र 2022–2026 से प्रभावी

विनोबा भावे विष्वविद्यालय, हजारीबाग–825301 (झारखण्ड)

स्नातक संस्कृत प्रथम समसत्र

संस्कृत व्याकरण एवं नीति कथा

Credit – 6 पूर्णांक –100

SAN-MJ-1 अवधि – 3घंटे

पाठ्यक्रम पूर्णांक – 75

1. पाठ्य षब्दरूप – 10 घण्टे
   देव, कवि, भानु, पितृ, लता, मति, नदी, धेनु, वधू, मातृ, फल, वारि, मधु, मरुत्, आत्मन्, सर्व, तद्,एतद्, यद्, इदम्, जगत्, अस्मद् तथा युष्मद्।
2. धातुरूप – 10 घण्टे
   लट्, लोट्, लङ्, विधिलिङ् एवं लृट् लकार में
   पाठ्य धातुरूप – पठ्, पच्, भू, कृ, अस्, अद्, हन्, हृ, दिव्, रुध्, क्री, चुर् तथा सेव्।
3. अपठित संस्कृत गद्यांष – 20 घण्टे
4. पंचतन्त्रम् (अपरीक्षितकारकम्) 15 घण्टे
5. लघु सिद्धान्त कौमुदी – प्रत्याहार, संज्ञा, सन्धि तथा पारिभाषिक षब्द 35 घण्टे

<u>प्रष्न चयन संबंधी निर्देष :–</u>

<u>ग्रुप ए</u>

- ग्रुप ए में तीन प्रष्न होंगें और तीनों अनिवार्य होंगें।
- प्रथम प्रष्न में सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित पाँच अतिलघूत्तरीय प्रष्न होंगें। **1x5 = 5**
- द्वितीय प्रष्न में पाठ्य षब्दरूपों में से किसी एक षब्द के दो विभक्तियों (कारकों) के तीनों वचनों के रूपों को लिखना होगा, चार षब्दरूप पूछे जाएँगे। **5x1 = 5**
- तृतीय प्रष्न में पाठ्य धातुओं में से किसी एक लकार में एक धातु के सभी रूपों को लिखना होगा, चार धातुरूप पूछे जाएँगे। **5x1 =5**

<u>ग्रुप बी</u>

- ग्रुप बी में कुल छः प्रष्न पूछे जाएँगे जिनमें चार प्रष्नों के उत्तर देय होंगें।
- चतुर्थ प्रष्न में एक अपठित संस्कृत गद्यांष प्रष्टव्य होगा जिसमें से पाँच लघूत्तरीय प्रष्न पूछे जाएँगें । प्रष्न एवं उत्तर संस्कृत में ही होंगें। (1.5×5=7.5) तथा संस्कृत से हिन्दी में अनुवाद के लिए एक गद्यांष प्रष्टव्य होंगें।(7.5×1=7.5) **7.5x2 = 15**
- पंचम प्रष्न में पंचतन्त्र के पठितांष से किन्ही तीन ष्लोकों का हिन्दी अनुवाद अपेक्षित होगा, कुल पाँच ष्लोक पूछे जाएँगे।**5x3 =15**
- षष्ठ प्रष्न में अपरीक्षितकारक की किसी एक कहानी का सारांष/समीक्षा लेखन अथवा नीतिकथा से सम्बन्धित किसी एक आलोचनात्मक प्रष्न का उत्तर देय होगा। कुल दो कहानियाँ अथवा एक कहानी और एक आलोचनात्मक प्रष्न प्रष्टव्य होंगें। **15x1 =15**
- सप्तम प्रष्न में लघुसिद्धान्तकौमुदी के संज्ञा प्रकरण से दो संज्ञासूत्रों की सोदाहरण व्याख्या एवं सूत्रनिर्देषपूर्वक किसी एक प्रत्याहार की सिद्धि अपेक्षित होगी। चार सूत्र तथा दो प्रत्याहार प्रष्टव्य होंगें। **5x2=10+5=15**
- अष्टम प्रष्न में लघुसिद्धान्तकौमुदी के अच्सन्धि प्रकरण से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या एवं एक सूत्र का निर्देषपूर्वक सन्धि अपेक्षित होगा, कुल चार सूत्र तथा दो सन्धियाँ पूछी जाएँगी।–**5x2=10+5=15**
- नवम प्रष्न में लघुसिद्धान्तकौमुदी के हल् एवं विसर्ग सन्धि प्रकरण से दो सूत्रों की सोदाहरण व्याख्या एवं एक सूत्र का निर्देषपूर्वक सन्धि अपेक्षित होगा, कुल चार सूत्र तथा दो सन्धियाँ पूछी जाएँगी।– **5x2=10+5=15**

अनुषंसित पुस्तकें

1. संस्कृत में अनुवाद कैसे करें ?– (उमाकान्त मिश्र षास्त्री)
2. रचनानुवाद कौमुदी –(कपिलदेव द्विवेदी)
3. संस्कृत सहचर– (आचार्य राधामोहन उपाध्याय)
4. पंचतन्त्रम् (अपरीक्षितकारकम्) –डॉ0 श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी
5. लघु सिद्धान्त कौमुदी – (गोविन्दाचार्य)

आन्तरिक परीक्षा – 25(20लिखित+5उपस्थिति)